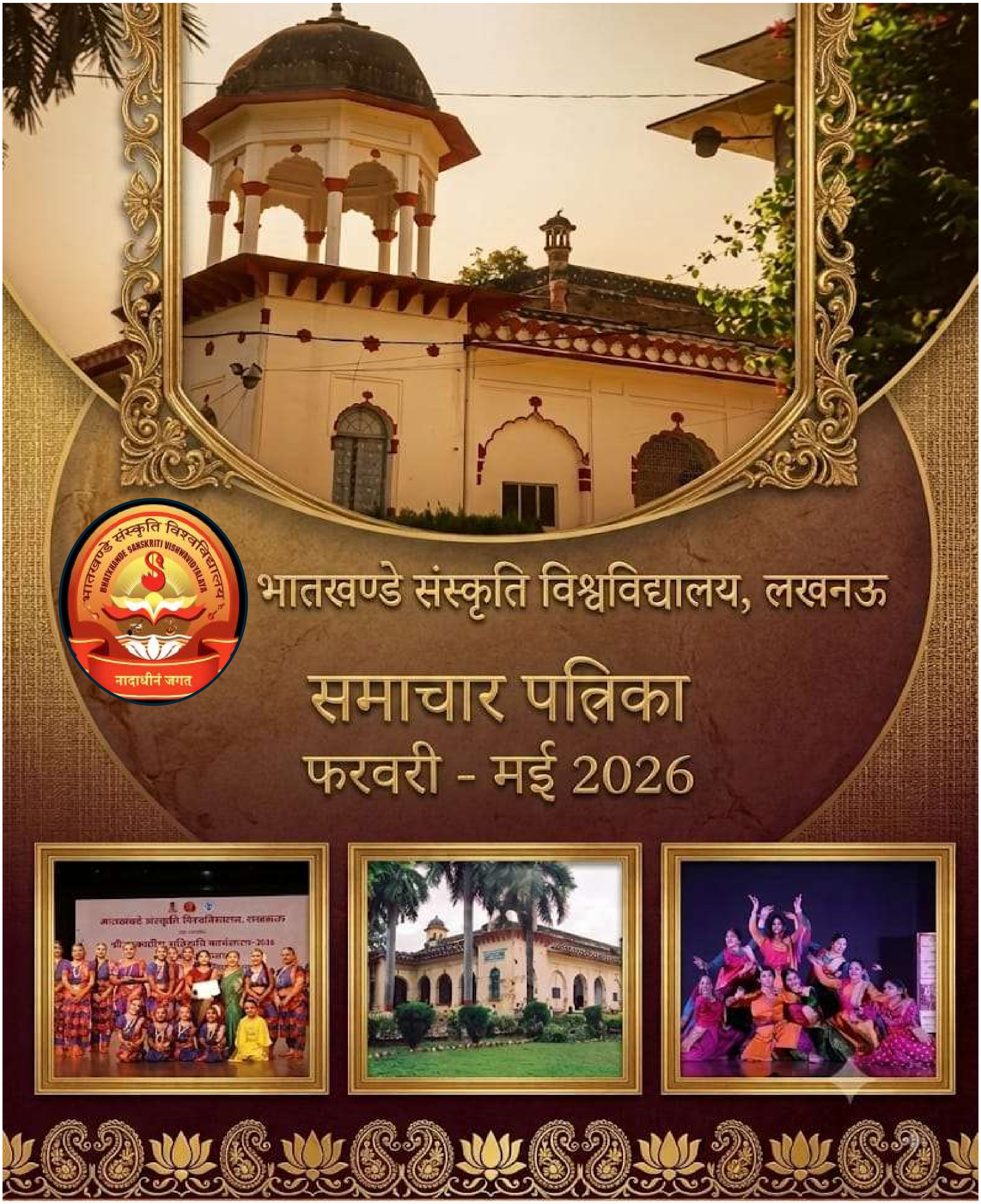

शताब्दी वर्ष समाचार पत्रिका

वर्ष 1 | अंक 1

शताब्दी वर्ष समाचार पत्रिका

वर्ष 1 | अंक 1

फरवरी- मई 2026

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ

अनुक्रमणिका

1. कार्यशाला

2. संगोष्ठी

3. अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

4. अन्य गतिविधियाँ

5. विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

कार्यशाला

19वें सारंगदेव त्रिदिवसीय कार्यशाला
दिनांक: 30 जनवरी से 01 फरवरी 2026 | विशेषज्ञ: प्रो. माँडवी सिंह, पार्वती दत्ता, पद्मश्री दर्शना झावेरी, उस्ताद वसीफुद्दीन डागर, डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार, बंशीधर पिनाक धर एवं पं. मोहन श्याम शर्मा।
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 45

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय एवं महागामी गुरुकुल कला एवं शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय 19वें शार्ङ्गदेव महोत्सव एवं कार्यशाला में शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की परंपरा, सिद्धांत एवं शोधपरक विषयों पर सप्रयोग व्याख्यान, शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ, कार्यशालाएँ एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रो. माँडवी सिंह, पार्वती दत्ता, पद्मश्री दर्शना झावेरी, उस्ताद वसीफुद्दीन डागर, डॉ. चेतना ज्योतिषी व्योहार, बंशीधर पिनाक धर एवं पं. मोहन श्याम शर्मा सहित विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया। महोत्सव में कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम एवं ध्रुपद की विविध प्रस्तुतियों के साथ शास्त्रीय कलाओं के तकनीकी, सौंदर्यात्मक एवं पारंपरिक पक्षों पर विशेष प्रशिक्षण एवं संवाद हुआ। समापन दिवस पर ध्यान एवं ध्रुपद आधारित कथक प्रशिक्षण के साथ महोत्सव का गरिमापूर्ण समापन हुआ।

कथक कार्यशाला
दिनांक: 10–14 फरवरी 2026 | विशेषज्ञ: पंडित असीम बंधु भट्टाचार्य
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 40

पद्मविभूषण पं. बिरजू महाराज स्मृति पीठ के अंतर्गत आयोजित पाँच-दिवसीय कथक कार्यशाला में शुद्ध नृत्त एवं विलंबित तीनताल का विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला के दौरान पं. असीम बंधु भट्टाचार्य द्वारा रचित एवं संगीतबद्ध 'इंद्रधनुष' की प्रस्तुति हेतु प्रतिभागियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया।गया।

तबला कार्यशाला
दिनांक: 13 फरवरी 2026 | विशेषज्ञ: प्रो० नीलू शर्मा
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 50

पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्मृति पीठ के अंतर्गत दो-दिवसीय कार्यशाला में फर्रुखाबाद घराने की बोल-निकास, तकनीक एवं लयकारी पर मार्गदर्शन दिया गया।

ठुमरी एवं ख़याल गायन कार्यशाला
दिनांक: 16–19 फरवरी 2026 | विशेषज्ञ: विदुषी शुभ्रा गुहा
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 70

पद्मभूषण बेग़म अख़्तर स्मृति पीठ के अंतर्गत चार-दिवसीय कार्यशाला में रागदारी, स्वर साधना, लयकारी एवं भावाभिव्यक्ति की बारीकियाँ सिखाई गईं।

ध्रुपद संगीत कार्यशाला
दिनांक: 25–28 फरवरी 2026 | विशेषज्ञ: विदुषी प्रो० मधु भट्ट तैलंग
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 60

पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे पीठ के अंतर्गत ध्रुपद गायन की परंपरा, आलाप, नोम-तोम तथा राग प्रस्तुति पर केंद्रित चार-दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई।

भरतनाट्यम कार्यशाला
दिनांक: 16–17 मार्च 2026 | विशेषज्ञ: डॉ. पद्मजा सुरेश (बेंगलुरु)
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 20

पद्मविभूषण पंडित बिरजू महाराज स्मृति पीठ के अंतर्गत दो-दिवसीय कार्यशाला में भरतनाट्यम की शास्त्रीय तकनीक, अंग-संचालन एवं भावाभिनय पर प्रशिक्षण दिया गया।

<u>हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन कार्यशाला</u>
दिनांक: 15–18 अप्रैल 2026 | विशेषज्ञ: पद्मभूषण पं. साजन मिश्रा
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 85

पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे स्मृति पीठ के अंतर्गत चार-दिवसीय कार्यशाला में राग तोड़ी, वृंदावनी सारंग एवं जौनपुरी पर बंदिश, आलाप एवं तराना का उच्चस्तरीय प्रशिक्षण दिया गया।

ग्रीष्मकालीन अभिरुचि कार्यशाला
दिनांक: 26 मई – 25 जून 2026
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 500 से अधिक

शास्त्रीय गायन, तबला, सितार, बाँसुरी, कथक, भरतनाट्यम् एवं पेंटिंग सहित अनेक विधाओं में एक-माह की कार्यशाला में 700 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की; दिव्यांग एवं ऑटिस्टिक बच्चों हेतु विशेष सत्र भी सम्मिलित रहे। इस कार्यशाला में ऑटिस्टिक बच्चों पर विशेष प्रयोग करते हुए उनके परिणाम को रेखांकित किया गया।

<u>संगोष्ठी</u>

"भारतीय ज्ञान परम्परा" विशिष्ट व्याख्यान
दिनांक: 23 फरवरी 2026 | वक्ता: प्रो. राम नाथ झा (जेएनयू, नई दिल्ली)
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 80

पंडित भुवनेश चन्द्र मिश्र स्मृति में आयोजित 20वीं व्याख्यानमाला के अंतर्गत **"भारतीय ज्ञान परम्परा"** विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता **प्रो. राम नाथ झा, संस्कृत अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** ने भारतीय ज्ञान परम्परा की वैदिक जड़ों, अखंडता, समग्रता एवं वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए धर्म को कर्तव्य, नैतिकता एवं जीवन-संतुलन की व्यापक अवधारणा बताया।

"भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र" संगोष्ठी
दिनांक: 18 मार्च 2026
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 150

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के सहयोग से 18 मार्च 2026 को 'कला संवाद-10' के अंतर्गत "भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र: मानवता की सांस्कृतिक धरोहर" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. माँडवी सिंह ने की। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी के सचिव श्री राजू दास तथा प्रमुख वक्ताओं श्री विश्व भूषण मिश्र , प्रो. कुमकुम धर एवं प्रो. शैलेन्द्र गोस्वामी ने भगवद्गीता एवं नाट्यशास्त्र के दार्शनिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक पक्षों पर सारगर्भित विचार रखे। संवाद में निष्काम कर्म, रस सिद्धांत, अष्टनायिका, अभिनय, साधना एवं संगीत के विविध आयामों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का संचालन श्री विजय सिंह ने किया तथा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

“भारतीय न्याय संहिता एवं ई-एफआईआर” तथा “महिलाओं के नेतृत्व में विकास” संवाद
दिनांक: 22 अप्रैल 2026
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 50

भारतीय न्याय संहिता एवं महिलाओं के नेतृत्व में विकास: प्रथम संवाद की अध्यक्षता प्रो. माँडवी सिंह, कुलपति, भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय ने की। मुख्य वक्ता सुश्री बुलबुल गोडियाल, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, लखनऊ ने भारतीय न्याय संहिता, ई-एफआईआर, डिजिटल साक्ष्य एवं महिला संबंधी न्यायिक प्रावधानों पर प्रकाश डाला। द्वितीय संवाद में प्रो. कुमकुम धर ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती नेतृत्वकारी भूमिका पर विचार रखे, जबकि प्रो. अमिता बाजपेयी, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षा, समान अवसर एवं नीति-निर्धारण में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी को महिला सशक्तिकरण का आधार बताया।

“समाज के उत्थान में महिलाओं का योगदान” संगोष्ठी
दिनांक: 23 अप्रैल 2026 | विशेषज्ञ: डॉ० ऋतु सक्सेना, प्रो० निशी पाण्डेय (लखनऊ विश्वविद्यालय)
लाभान्वित विद्यार्थियों की संख्या: 65

महिला स्वास्थ्य, सशक्तिकरण एवं उद्यमिता: प्रथम एवं द्वितीय सत्र में डॉ. ऋतु सक्सेना, वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ; प्रो. निशी पाण्डेय, प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस, लखनऊ विश्वविद्यालय; सुश्री मंजरी पाण्डेय, उद्यमी; तथा सुश्री रोमा बच्चानी, शिक्षाविद एवं परामर्शदाता ने महिला स्वास्थ्य, सुरक्षित मातृत्व, आत्मविश्वास, समान अवसर, आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता के विभिन्न आयामों पर विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने महिलाओं को स्वस्थ, जागरूक, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाकर समाज के समग्र विकास में उनकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

शताब्दी वर्ष गायन कार्यक्रम
दिनांक: 28 फरवरी 2026 | प्रस्तुतकर्ता: श्री अक्षत अवस्थी (पूर्व छात्र)

भातखण्डे एलुमनी एसोसिएशन के सहयोग से राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह में शास्त्रीय गायन की गरिमामय संध्या सम्पन्न हुई।

शताब्दी वर्ष सांस्कृतिक संध्या: कथक नृत्य प्रस्तुतियाँ
दिनांक: 28 मार्च 2026

कला-मंडपम सभागार में डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह की एकल तथा विद्यार्थियों की समूह कथक प्रस्तुतियाँ (नृत्य निर्देशन: डॉ. मीरा दीक्षित) हुईं।

विश्व नृत्य दिवस पर नृत्य प्रस्तुतियाँ
दिनांक: 29 अप्रैल 2026

नृत्य विभाग द्वारा कलामण्डपम प्रेक्षागृह में भरतनाट्यम एवं कथक की भव्य प्रस्तुतियाँ सम्पन्न हुईं, जिनका समापन शोध छात्राओं की नृत्य प्रस्तुतियों से हुआ।

गुजरात स्थापना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम
दिनांक: 01 मई 2026

परिसर में पारंपरिक गरबा नृत्य आयोजित हुआ, साथ ही गोद ग्रामों में एच.पी.वी. टीकाकरण जागरूकता, पदयात्रा एवं खेल-कूद प्रतियोगिताएँ भी हुईं।

अन्य गतिविधियाँ

स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम (जन भवन)
दिनांक: 07 फरवरी 2026

माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार गोद्ग्राम की आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों एवं ग्रामीण महिला-पुरुषों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

बृहद स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन अभियान
दिनांक: 23 फरवरी 2026

विश्वविद्यालय परिसर को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-सम्मत बनाए रखने हेतु अभियान चलाया गया।

महिला सशक्तिकरण जागरूकता हेतु पदयात्रा
दिनांक: 16 अप्रैल 2026

कुलपति प्रो. मांडवी सिंह के नेतृत्व में शहीद स्मारक तक पदयात्रा निकाली गई तथा "पढ़ें विश्वविद्यालय–बढ़ें विश्वविद्यालय" कार्यक्रम आयोजित हुआ।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धियां :

क्र.सं.	**विद्यार्थी**	**उपलब्धि**
1	नेहा नवाड़िया	ऐमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित अमिफोरीआ 2026 "अदायगी साज और आवाज 2.0" में प्रथम स्थान।
2	लवप्रीत कौर	लखनऊ में आयोजित 17,18 मार्च 2026 को ओज फेस्टिवल में सोलो सॉन्ग में प्रथम स्थान।
3	सर्मद निआजी	ऐमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित अमिफोरीआ 2026 अदायगी साज और आवाज 2.0 में द्वितीय स्थान।

— भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ —